



New Bad Bank Structure:

For resolution of huge NPAs (Non-Performing Assets) in the Indian Banking sector, the government of India has set up two new entities to acquire stressed assets from banks and then sell them in the market. भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में भारी एनपीए (नॉन-परफॉर्मिंग एसेट्स) के समाधान के लिए, भारत सरकार ने बैंकों से स्ट्रेस्ड एसेट्स हासिल करने और फिर उन्हें बाजार में बेचने के लिए दो नई संस्थाओं की स्थापना की है।



Bad Bank of India

a way to bring down NPAs of Indian bank

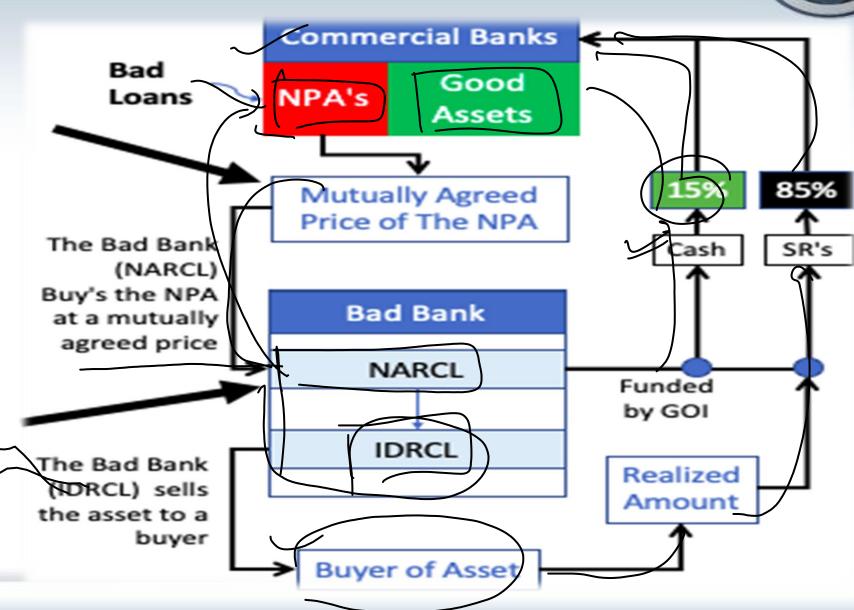
















Working of NARCL-IDRCL and Guarantee Offered:

- The NARCL will first purchase bad loans from banks.
- एनएआरसीएल पहले बैंकों से बैड लोन खरीदेगा।
- It will pay 15% of the agreed price in cash and the remaining 85% will be in the form of "Security Receipts".
- यह सहमत मूल्य का 15% नकद में भुगतान करेगा और शेष
 85% "सुरक्षा रसीद" के रूप में होगा।



- When the assets are sold, with the help of IDRCL, the commercial banks will be paid back the rest.
- जब संपत्तियां बेची जाती हैं, तो IDRCL की मदद से, वाणिज्यिक बैंकों को बाकी का भुगतान किया जाएगा।
- If the bad bank is unable to sell the bad loan, or has to sell it at a loss, then the government guarantee will be invoked.
- यदि बैड बैंक बैड लोन को बेचने में असमर्थ है, या उसे घाटे में बेचना है. तो सरकारी गारंटी लागू होगी।
- This guarantee is extended for a period of five years.
 यह गारंटी पांच साल की अवधि के लिए बढ़ाई गई है।



THAINS TO THE





